



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 394]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 16, 2010/आषाढ़ 25, 1932

No. 394]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 16, 2010/ASADHA 25, 1932

कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 जुलाई, 2010

सा.का.नि. 601(अ).—केन्द्रीय सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 294कक की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और यह राय होने पर कि नीचे सारणी में विनिर्दिष्ट प्रवर्ग के माल के संबंध में मांग ऐसे माल के उत्पादन या पूर्ति से सारावान रूप से अधिक है और यह कि ऐसे माल के लिए बाजार तैयार करने के लिए एक मात्र विक्रय अधिकारी की सेवाएं आवश्यक नहीं होंगी, यह घोषणा करती है कि राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए भारत में ऐसे माल के विक्रय के लिए किसी कम्पनी द्वारा एक मात्र विक्रय अधिकारी की नियुक्ति नहीं की जाएगी।

सारणी

औषधि (कीमत नियंत्रण) आदेश, 1995 में यथा परिभाषित “प्रपुंज औषधि”, “औषधि” और “विनिर्मितियों” को प्रत्येक प्रवर्ग, जो निम्नलिखित नहीं हैं,—

- (i) आयुर्वेदिक (जिसके अंतर्गत सिद्धा भी है) या यूनानी (तिब्ब) चिकित्सा पद्धति में सम्मिलित कोई वास्तविक निर्मिति; या
- (ii) होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति में सम्मिलित कोई निर्मिति।

[फा. सं. 5/2/2007-सी.एल.-V]

रेणुका कुमार, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th July, 2010

G.S.R. 601(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 294AA of the Companies Act, 1956 (i of 1956), the Central Government, being of the opinion that the demand for the category of goods specified in the Table below is substantially in excess of the production or supply of such goods and that the services of the sole selling agents will not be necessary to create a market for such goods, hereby declares that sole selling agents shall not be appointed by any company for the sale of such goods in India for a period of three years from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

TABLE

Every category of “Bulk drugs”, “drugs” and “formulations” as defined in the Drugs (Prices Control) Order, 1995, not being,—

- (i) any bona fide preparation included in the Ayurvedic (including Siddha) or Unani (Tibb) systems of medicine; or
- (ii) any preparation included in the Homoeopathic system of medicine.

[F. No. 5/2/2007-CL.-VI]

RENUKA KUMAR, Jt. Secy.